भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1242

उत्तर देने की तारीख - 28.07.2025

पंजाब के संगरूर में केंद्रीय विश्वविद्यालय

†1242. **श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार के लिए संगरूर, बरनाला और मलेरकोटला में केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की आवश्यकता का मूल्यांकन किया है;
(ख) पड़ोसी जिलों की तुलना में संगरूर के छात्रों के समक्ष आने वाली शैक्षिक असमानता को दूर करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान के तहत संगरूर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए इसे एक व्यवहार्य स्थल मानती है;
(घ) क्या सरकार ने संगरूर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन कराया है या कोई समय-सीमा प्रस्तावित की है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ): केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की परिकल्पना क्षेत्र की अन्य संस्थाओं को अकादमिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए अग्रणी संस्थाओं के रूप में कार्य करने के लिए की गई है। पंजाब में पहले से ही एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नामतः बठिंडा में स्थित पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय है, जो पंजाब राज्य की शैक्षिक आकांक्षाओं को भी पूरा कर रहा है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त, इस मंत्रालय ने पंजाब में कई अन्य उच्चतर शिक्षा संस्थाएं जैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़; भारतीय प्रबंध संस्थान, अमृतसर; भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली; डॉ. बी. आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर आदि स्थापित की हैं। ये शैक्षणिक संस्थाएं पंजाब राज्य में उच्चतर शिक्षा की आकांक्षाओं की पूर्ति कर रही हैं। अब, मौजूदा संस्थाओं की क्षमता बढ़ाकर उच्चतर शिक्षा प्रणालियों के समेकन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त, शिक्षा एक समवर्ती विषय होने के कारण, राज्य सरकारें भी अपने-अपने राज्यों में उच्चतर शिक्षा तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराने के लिए पहले कर रही हैं।

*****